

एसआरएमएस ने कोरोना काल में निभाई अहम भूमिका

जागरण संवाददाता, बरेली: क्रिटिकल केयर फाउंडेशन एंड इंडियन सोसाइटी आफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की ओर से 'वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस आन कोविड एंड क्रिटिकल केयर' पर तीन दिवसीय वर्चुअल वर्कशाप का आयोजन शुरू हो गया है। इसमें श्रीराम मूर्ति स्मारक (एसआरएमएस) मेडिकल कॉलेज के क्रिटिकल, पल्मोनरी और एनेस्थीसिया विभाग ने अहम भूमिका निभाई। इस वैश्विक कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने किया। कोविड महामारी और इसमें क्रिटिकल केयर की भूमिका पर चर्चा हुई। इसमें दुनिया के कई देशों से डॉक्टरों और विज्ञानियों ने हिस्सा लिया। वर्कशाप में विशेषज्ञों ने देश में चलाए जा रहे मुफ्त टीकाकरण अभियान को सराहा। बताया कि विश्व ने ऐसा मुश्किल दौर कई दशकों बाद देखा। ऐसे समय में हर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था चुटनों पर आ गई, लेकिन भारत ने इसका डटकर सामना किया और टीकाकरण अभियान चलाया।



क्रिटिकल केयर फाउंडेशन एंड आरएससीसीएम की वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में मौजूद कला • खैरिशाह से, एसआरएमएस दूसरे मुल्कों को भी वैकसीन भेजी। विशेषज्ञों ने चिकित्सकों और फ्रंट लाइन वर्कर्स को तारीफ की। वर्कशाप में कोविड और क्रिटिकल केयर पर वैश्विक कॉन्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के पल्मोनरी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. ललित सिंह, मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डा. आरपी सिंह, एनेस्थीसिया विभाग की डा. गीता काकी, कम्युनिटी मेडिसिन के डा. निपुन अग्रवाल और पल्मोनरी विभाग के डा. यशिन मेहता ने हिस्सा लिया।